



22100130



**HINDI A1 – HIGHER LEVEL – PAPER 2**  
**HINDI A1 – NIVEAU SUPÉRIEUR – ÉPREUVE 2**  
**HINDI A1 – NIVEL SUPERIOR – PRUEBA 2**

Friday 14 May 2010 (morning)

Vendredi 14 mai 2010 (matin)

Viernes 14 de mayo de 2010 (mañana)

2 hours / 2 heures / 2 horas

---

**INSTRUCTIONS TO CANDIDATES**

- Do not open this examination paper until instructed to do so.
- Answer one essay question only. You must base your answer on at least two of the Part 3 works you have studied. You may include in your answer a discussion of a Part 2 work of the same genre if relevant. Answers which are not based on a discussion of at least two Part 3 works will not score high marks.
- You are not permitted to bring copies of the works you have studied into the examination room.

**INSTRUCTIONS DESTINÉES AUX CANDIDATS**

- N'ouvrez pas cette épreuve avant d'y être autorisé(e).
- Traitez un seul sujet de composition. Vous devez baser votre réponse sur au moins deux des œuvres de la 3<sup>e</sup> partie que vous avez étudiées. Le cas échéant, vous pouvez inclure dans votre réponse une discussion sur une œuvre du même genre littéraire étudiée dans la 2<sup>e</sup> partie du programme. Les réponses qui ne sont pas basées sur au moins deux des œuvres de la 3<sup>e</sup> partie n'obtiendront pas une note élevée.
- Vous n'êtes pas autorisé(e) à amener des exemplaires des œuvres que vous avez étudiées dans la salle d'examen.

**INSTRUCCIONES PARA LOS ALUMNOS**

- No abra esta prueba hasta que se lo autoricen.
- Elija un tema de redacción. Su respuesta deberá basarse en al menos dos de las obras estudiadas en la Parte 3. Se podrán hacer comentarios sobre una obra de la Parte 2 del mismo género, si fuera necesario. Las respuestas que no incluyan una discusión sobre al menos dos obras de la Parte 3 no recibirán notas altas.
- No se permite traer a la sala de examen copias de las obras estudiadas.

नीचे लिखे हुए विषयों में से किसी एक पर निबंध लिखिए। इस भाग में आपका उत्तर भाग ३ की पढ़ी हुई रचनाओं में से कम से कम दो रचनाओं पर आधारित होना चाहिए। आप भाग २ में पढ़ी हुई इसी प्रकार की कृतियों की व्यवहारिक चर्चा कर सकते /सकती हैं परन्तु ये भाग तीन में पढ़ी हुई दो कृतियों से अतिरिक्त होनी चाहिए। आप अन्य कृतियों की चर्चा कर सकते हैं परन्तु आपका निवन्ध इन पर आधारित नहीं होना चाहिए।

## कविता

१. कुछ कविताएँ पाठकों के मन पर स्थाई छाप छोड़ देती हैं और उन कविताओं में प्रयुक्त कुछ शब्द और पंक्तियाँ कविता को प्रभावी एवं अर्थपूर्ण बनाती हैं। जिन दो कवियों की कम से कम दो कविताओं को आपने पढ़ा है उनकी कुछ पंक्तियों को उद्धृत करते हुए कवियों द्वारा प्रयुक्त साधनों का विश्लेषण कीजिए।
२. “रचना, शैली अथवा केन्द्रीय विचार कविता के आवश्यक अंग हैं।” अपनी पढ़ी हुई दो कवियों की कम से कम दो कविताओं की तुलना के आधार पर बताइए कि किस प्रकार कवियों ने अपनी शैली एवं रचना कौशल का उपयोग कविता में प्रस्तुत विचार को प्रकट करने के लिए किया है ?

## उपन्यास

३. अपने पढ़े हुए कम से कम दो उपन्यासों की तुलना के आधार पर बताइए कि उनका अंतिम भाग किस प्रकार पहले की घटनाओं से अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ है ?
४. उपन्यासकार अतीत की घटनाओं एवं पौराणिक आख्यानों के माध्यम से वर्तमान जीवन, मूल्यों एवं धारणाओं के सकारात्मक अथवा नकारात्मक पक्ष को प्रस्तुत करने का प्रयास करता है। अपने पढ़े हुए कम से कम दो उपन्यासों के आधार पर बताइए कि उपन्यासकारों ने अपनी रचनाओं में अतीत की घटनाओं अथवा पौराणिक आख्यानों का किस सीमा तक उपयोग किया है ?

## कहानी

५. कहानी कहने के कम में बीती हुई घटनाओं को संक्षेप में दुहराना एवं परिस्थितियों में परिवर्तन, कहानी कला की दृष्टि में कहानी को समृद्ध करते हैं। अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो कहानियों के आधार पर बताइए कि कैसे कहानीकारों ने इनमें से किसी एक तकनीक के सहारे अपनी कहानी को समृद्ध बनाया हैं ?
६. “कहानी हमें बंधनों से मुक्त कर - दूसरों के बारे में जानने समझने का अवसर प्रदान करती है।” अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो कहानियों के आधार पर बताइए कि ये कहानियाँ आपको कैसे दूसरों के बारे में जानने समझने में तथा सहानुभूति, समानुभूति का भाव जगाने में सहायता प्रदान करती हैं ?

## नाटक

६. अपने पढ़े हुए कम से कम दो नाटकों के आधार पर नाटककारों द्वारा प्रस्तुत ‘स्त्री-विमर्श’ अथवा नारी जीवन की समस्याओं की तुलना करते हुए बताइए कि विभिन्न नारी पात्रों ने नाटक को समझने में दर्शकों की क्या सहायता की है ?
८. नाटक के विषयवस्तु के विकास में ‘हास्य-व्यंग्य’ तथा ‘मानवीय त्रासदी’ दोनों महत्वपूर्ण हैं। अपने पढ़े हुए कम से कम दो की तुलना करते हुए उपर्युक्त कथन से अपनी सहमति अथवा असहमति व्यक्त कीजिए।

## निबंध

९. निबंधकार रूपांतर की प्रक्रिया से अनेक उदाहरणों, कथा- प्रसंगों के जरिए स्थानीय एवं विश्वव्यापी जीवन का वर्णन करता है। जिन निबंधकारों को आपने पढ़ा है, उनके कम से कम दो निबंधों के आधार पर विषय को प्रस्तुत करने के लिए रूपांतर की तुलना कीजिए।
१०. निबंधों में लेखकों के विचार, भाव व उनकी निजी अनुभूतियाँ एवं व्यक्तिगत शैली उभर कर पाठकों के सामने आती हैं। अपने पढ़े हुए निबंधकारों के कम से कम दो निबंधों के विषयवस्तु पर विचारविमर्श करते हुए बताएँ कि लेखकों ने इनमें से किस साधन के माध्यम से पाठकों को बौद्धि रखने में सफलता प्राप्त की है ?

## काथाकण प्रश्न

११. “साहित्य में संसरण एवं ‘यात्रा वृतांत’ का महत्वपूर्ण स्थान है।” अपने पढ़े हुए रचनाकारों की कम से कम दो रचनाओं के आधार पर उनके संसरण अथवा यात्रा वर्णन की विशेषताओं की तुलना कीजिए।
१२. साहित्यिक रचनाओं में लेखक अक्सर लघुकथा, आख्यान, उदाहरण एवं दृष्टांतों का सहारा लेता है। अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो रचनाओं के संदर्भ में इस कथन की विवेचना कीजिए।
१३. साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं में ‘दृंद्र’ अर्थात् दो परस्पर विरोधी विचारधाराओं का संघर्ष बार बार दर्शाया है। किन्हीं दो रचनाकारों की कम से कम दो कृतियों के सन्दर्भ में ‘दृंद्र’ की प्रस्तुति की तुलना कीजिए।
१४. जीवन के प्रति नवीन दृष्टिकोण और जीवन का अनुभव अच्छे साहित्य के मृजन में सहायक हैं। अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो रचनाओं के आधार पर इस कथन की समीक्षा करते हुए बताइए कि आप इस कथन से किस सीमा तक सहमत है ?